भागीरथपुरा के साथ शहर में पानी समस्या प्राथमिकता

▸ इंदौर के लिए बहुत बड़ा हादसा है - विजयवर्गीय

नव भारत न्यूज

इंदौर। आज रेसिडेंसी कोठी में भागीरथपुरा हादसे को लेकर उच्च स्तरीय बैठक हुई। बैठक में भागीरथपुरा के टेंडर पर काम करने और शहर में पानी की समस्या को प्राथमिकता पर रखने का निर्णय किया गया है। साथ ही निगम में दो - तीन अधिकारियों को और पदस्थ करने का भी तय किया गया है।

भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी को लेकर कल मुख्यमंत्री ने एसीएस के साथ बैठक कर समस्या के निराकरण का कहा था। आज रेसिडेंसी कोठी में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में बैठक हुई. बैठक के विषय में मंत्री

कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि भागीरथपुरा कांड इंदौर के लिए बहुत बड़ा हादसा है। इससे लड़ने और निराकरण के लिए सरकार और सभी लोग जुटे हुए है।

विजयवर्गीय ने बताया कि मुख्यमंत्री के आदेश पर आज की बैठक में टेंडर समस्या और भागीरथपुरा क्षेत्र के हालात पर चर्चा की गई। भागीरथपुरा के टेंडर दो दिन में खोल कर काम शुरू कर दिया जाएगा।

सब मिलकर करेंगे समस्याओं का निराकरण

इसके अलावा और भी छोटी मोटी समस्या को लेकर भी चर्चा हुई है, जिनका निराकरण सब मिलकर करेंगे। एक अधिकारियों की कमी को लेकर बात सामने आई है, जिसके एवज में सरकार 2-3 अधिकारी नगर निगम में और पदस्थ कर रही है। इससे एक अधिकारी पर काम का भार कम हो जाएगा। भागीरथपुरा में 4 लोगों की मृत्यु की पुष्ट हुई है उनको आर्थिक सहायता दी जा चुकी है और लोगों के बढ़ने की जानकारी लेकर मुख्यमंत्री की घोषणा अनुसार राशि दी जाएगी। दूषित पानी से भागीरथपुरा में 1400 सौ लोग बीमार हुए है, जिनमे से दो सौ लोगो को अस्पतालों में भर्ती किया गया है और उनका इलाज चल रहा है। सरकार और निगम शहर में पानी की समस्या का निराकरण प्राथमिकता से करेगी।

महापौर बोले- इन अफसरों के साथ काम नहीं कर सकता..!

▸ उन्होंने कहा- मुख्यमंत्री तक पहुंचा दें यह संदेश

इंदौर। शहर में दूषित पानी से हुई मौतों को लेकर भाजपा में सन्नाटा छा गया है। सारे सवाल और समस्या का दोषी सत्ताधारी दल को माना जा रहा है। जनता में चर्चा है कि अधिकारी नेताओं की नहीं सुन रहे हैं। इस बात की पुष्टि स्वयं महापौर ने कर दी है। आज एसीएस के सामने महापौर ने शहर में मौजूद अधिकारियों को लेकर काम नहीं करने का स्पष्ट मना कर दिया है।

भागीरथपुरा कांड की शिकायत पर सत्ता और अधिकारी के बीच समन्वय की कमी को लेकर कई संकेत नजर आए। भागीरथपुरा मामले को लेकर आज एसीएस संजय दुबे और स्थानीय नेताओं की बैठक पूरी तरह अधिकारियों की लचर कार्य शैली को लेकर शिकायत आधारित थी। बैठक में भाजपा के स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने एक बार फिर अधिकारियों को लेकर सवाल उठाए।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने एसीएस संजय दुबे को सीधे आयुक्त दिलीप यादव, अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया और अधीक्षण यंत्री संजीव श्रीवास्तव के साथ काम नहीं कर सकने की बात कही। महापौर ने कल सीएम मोहन यादव से भी अधिकारियों के रवैए को लेकर शिकायती लहजे में कहा था कि अधिकारी नहीं सुन रहे है। बैठक में महापौर ने असहज होकर हाथ खड़े करते हुए कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में काम करना कठिन है, यह संदेश सीएम तक पहुंचा दिया जाए.

सभी को हटा देंगे तो काम किससे करवाएंगे?

आज की बैठक में भी उक्त बात कहने पर संजय दुबे ने जवाब दिया कि यदि सभी को हटा दिया जाएगा, तो आखिर काम किससे करवाएंगे? बैठक में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने जमीनी हकीकत बताते हुए कहा कि किसी के लिए भी भागीरथपुरा जाने की स्थिति नहीं है, लोगों में भारी आक्रोश है। वर्तमान हालात पर नियंत्रण नहीं पाया तो स्थिति बिगड़ सकती है। कुल मिलाकर आज की एसीएस के साथ बैठक में अधिकारियों की मनमर्जी, अड़ियल रवैए और लापरवाही बरतने की शिकायत के सिवाय कोई नतीजा नहीं निकल पाया है। चर्चा थी कि सरकार इतने बड़े हादसे के बाद कुछ अधिकारियों की रवानगी करेगी, लेकिन एसीएस दुबे के लहजे से नेताओं को निराश होना पड़ा।

नहीं रुक रहा मौतों का सिलसिला, एक और मौत

इंदौर. भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी पीने से हो रही मौतों का सिलसिला गुरुवार को भी नहीं थमा. एक और व्यक्ति की मौत के बाद मृतकों का आंकड़ा 14 तक पहुंच गया है। भले ही स्वास्थ्य विभाग या किसी सरकारी एजेंसी ने इन मौतों की आधिकारिक पुष्टि अब तक नहीं की हो, लेकिन स्थानीय स्तर पर सामने आ रही जानकारियों ने पूरे इलाके को दहशत और आक्रोश में डाल दिया है.

भागीरथपुरा और आसपास के इलाकों में बीते कई दिनों से दूषित पानी पीने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ने के मामले सामने आ रहे हैं. उल्टी-दस्त, पेट दर्द और तेज बुखार की शिकायत के बाद बड़ी संख्या में लोगों को एमवाय अस्पताल सहित अन्य अस्पतालों में भर्ती कराया. गुरुवार को कुलकर्णी भट्टा क्षेत्र में लक्ष्मण माली के खेत में रहने वाले 43 वर्षीय अरविंद लिखार की मौत का मामला सामने आया. परिजनों का

कहना है कि अरविंद ने भी वही नलों का पानी पिया था, जिसे इलाके के लोग लगातार दूषित और बदबूदार बता रहे थे. पानी पीने के कुछ समय बाद उनकी तबीयत बिगड़ी और अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया. परिजनों और स्थानीय रहवासियों का आरोप है कि नलों से गंदा पानी आने की शिकायतें पहले भी कई बार की गई थीं, लेकिन समय रहते न तो पानी की सप्लाई रोकी गई और न ही किसी स्तर पर गंभीर जांच की गई.

अपर मुख्य सचिव हालात का जायजा लेने पहुंचे भागीरथपुरा

▸ जलप्रदाय में सप्लाई पानी के नमूने लेकर जांच की

नव भारत न्यूज

इंदौर। आज प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास विभाग अपर मुख्य सचिव भागीरथपुरा हालात का जायजा लेने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में पानी की टंकी एवं आस पास के इलाके का निरीक्षण किया। पानी की टंकी से पानी सप्लाई की जांच और टंकी एवं घरों से लिए गए सैंपल की जानकारी ली। जलप्रदाय के दौरान पानी को

हाथ में लेकर चेक किया।

अपर मुख्य सचिव संजय दुबे एवं निगम आयुक्त यादव ने भागीरथपुरा पानी की टंकी पर विभागीय अधिकारियों से जानकारी ली। इस दौरान अपर मुख्य सचिव एवं निगम आयुक्त के सामने ही भागीरथपुरा पानी की टंकी से जलप्रदाय किया गया। जल प्रदाय के दौरान बस्ती एवं कॉलोनी में निगम की टीम को तैनातकर पानी की जांच की गई। साथ ही अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं आयुक्त ने पूरे क्षेत्र का निरीक्षण किया गया।

अल्कराज क्वार्टर फाइनल में

एसीएस दुबे ने पानी के सैंपल को स्वयं चेक किया और रहवासियों से भी चर्चा की। नागरिकों को पानी उबालकर एवं छान कर ही उपयोग करने का निगम अधिकारियों को लगातार अनाउंसमेंट करने निर्देश दिए। निरीक्षण में सीवरेज एवं पानी की लाइन में लीकेज के लिए क्षेत्र में चल रहे कार्यों का भी अवलोकन किया गया। एसीएस दुबे ने भागीरथपुरा आयुष्मान आरोग्य मंदिर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भी निरीक्षण किया गया। स्वास्थ्य केंद्र पर आने वाले मरीज के स्वास्थ्य संबंधी रजिस्टर का भी अवलोकन किया। वर्तमान में कितने मरीज आए हैं और कितनों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा है? इसकी जानकारी भी ली गई।

शहर कांग्रेस ने भागीरथपुरा कांड को लेकर बनाई निरीक्षण कमेटी

नव भारत न्यूज

इंदौर। शहर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतें होने और हजारों लोगों के बीमार होने पर शहर कांग्रेस न निरीक्षण कमेटी बनाई है। नौ सदस्यीय कमेटी भागीरथपुरा में मृत लोगों का सर्वे और पीड़ितों जानकारी एकत्र करेगी। साथ ही कमेटी पीड़ितों की समस्या और सही इलाज एवं अस्पतालों में भर्ती मरीजों की जानकारी भी जुटाएगी।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे के निर्देश पर आज संगठन महासचिव संजय बाकलीवाल ने भागीरथपुरा हादसे को लेकर 9 सदस्यीय निरीक्षण कमेटी बनाई गई है। उक्त कमेटी में भागीरथपुरा क्षेत्र के ही मदन यादव, दयाल भतकारे, दीपक मलौरिया, रमेश बिंजवा, आशीष यादव, पूनम सांवरिया, छोटे मौर्य, ओमप्रकाश मिश्रा और अमित यादव को लिया गया है।

उक्त निरीक्षण कमेटी शहर कांग्रेस कार्यालय को मृत लोगों की सही जानकारी, पीड़ितों की समस्याओं, सरकार की आर्थिक सहायता, अस्पताल में भर्ती मरीजों के इलाज और क्षेत्र में प्रभावित पीड़ितों का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार करेगी। रिपोर्ट शहर कांग्रेस कार्यालय को सौंपेगी। शहर कांग्रेस अध्यक्ष रिपोर्ट पर आगे की कारवाई करेगी।

मेडिकल कॉलेज रिपोर्ट में दूषित पानी की पुष्टि

नव भारत न्यूज

इंदौर। भागीरथपुरा क्षेत्र में हजारों लोग बीमार हो गए। बीमार होने का कारण दूषित और गंदा पानी पीना बताया जा रहा था। आज मेडिकल कॉलेज की रिपोर्ट में दूषित पानी की पुष्टि की गई है। खास बात यह है कि रिपोर्ट में इसका खुलासा नही किया गया है कि पानी किस स्तर तक दूषित हुआ है।

मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी डॉ माधव हसानी ने बताया कि भागीरथपुरा क्षेत्र में डायरिया फेल गया था। इसके बाद क्षेत्र में संक्रमण फैलने का कारण पता लगाने के लिए पानी के नमूने मेडिकल कॉलेज में जांच के लिए भेजे गए थे। डॉ. हसानी ने आज कहा कि मेडिकल कॉलेज से पानी के नमूनों के जांच रिपोर्ट मिल गई है। रिपोर्ट में पानी में कुछ अन्य मिला पाया गया है, जिससे दूषित जल होने की पुष्टि की गई। हालांकि रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया है कि पानी किस लेवल तक दूषित पाया गया है। भागीरथपुरा में पीने के पानी से ही इन्फेक्शन होने लोगो की तबियत खराब हुई है। उल्टी दस्त के कारण डायरिया हुआ। डायरिया होने से ब्लड प्रेशर कम हो जाने से गंभीर स्थिति निर्मित हुई है।

भागीरथपुरा में लापरवाही जारी, ड्रेनेज के ऊपर से डाली जा रही नर्मदा की नई पाइप लाइन

▸ 14 मौतों के बाद भी नहीं चेता सिस्टम, मौके पर गंभीर खामी : अधिकारी चुप, फिर खतरे की आशंका

नव भारत न्यूज

इंदौर. भागीरथपुरा में दूषित पानी से 14 मौतों के बाद भी लापरवाही थमने का नाम नहीं ले रही है. जिस इलाके में पानी को लेकर भरोसा पूरी तरह टूट चुका है, वहीं नर्मदा की नई पाइपलाइन ड्रेनेज लाइन के ठीक ऊपर से डाली जा रही है. यह नजारा मौके पर मौजूद लोगों को डरा रहा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अब तक मौन साधे हुए हैं.

दूषित पानी कांड से पूरा भागीरथपुरा सहमा हुआ है, लोग

आज भी नलों का पानी पीने से डर रहे हैं और इसी बीच नई नर्मदा पाइपलाइन बिछाने के काम में गंभीर लापरवाही सामने आई है. नव भारत की टीम ने यहां का दौरा किया तो पाया कि तो पाया कि जिस स्थान पर नई पाइपलाइन डाली जा रही है, उसी के नीचे से ड्रेनेज लाइन गुजर रही है.

ऐसे में भविष्य में लीकेज या तकनीकी खराबी की स्थिति में गंदा पानी दोबारा सप्लाई लाइन में मिलने का खतरा बना हुआ है. हैरानी की बात यह है कि 14 मौतों के बाद भी काम की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को लेकर कोई सख्ती नजर नहीं आ रही. मौके पर मौजूद लोगों ने जब सवाल उठाए तो उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला. वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले भी पाइपलाइन और ड्रेनेज के नजदीक होने की वजह से पानी दूषित हुआ था और अब वही गलती दोहराई जा रही है. इस पूरे मामले की तस्वीरें भी सामने आई हैं, जिनमें साफ दिखाई दे रहा है कि नर्मदा की नई पाइपलाइन ड्रेनेज के ऊपर से गुजर रही है. इसके बावजूद न तो काम रोका गया और न ही किसी वरिष्ठ अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया. इलाके के रहवासियों में इस बात को लेकर गहरा आक्रोश है कि जब 14 परिवार अपनों को खो चुके हैं, तब भी सिस्टम सबक लेने को तैयार नहीं है. लोगों का कहना है कि अगर अभी भी लापरवाही बरती गई तो आने वाले दिनों में हालात और भयावह हो सकते हैं. भागीरथपुरा में अब यह सिर्फ दूषित पानी का मामला नहीं रह गया है, बल्कि यह प्रशासनिक संवेदनहीनता और जवाबदेही का बड़ा सवाल बन चुका है. लोग मांग कर रहे हैं कि पाइपलाइन बिछाने के काम की तत्काल जांच हो और भविष्य में किसी भी तरह की चूक की गुंजाइश न छोड़ी जाए.

समस्या ▸ दो वार्डों के बीच की सड़क किस वार्ड की है, इसी असमंजस में जर्जर होता जा रहा हिना कॉलोनी और सम्राट नगर का मार्ग

लापरवाही और असमंजस के कारण 25 साल से नहीं बनी सड़क

इंदौर. लगातार 8 बार से देश का सबसे स्वच्छ शहर बने इंदौर में विकास कार्यों के साथ-साथ निगम प्रशासन की लापरवाही और असमंजस के कारण जन सुविधाओं के काम अटके पड़े हैं, जिससे नागरिकों को असुविधा हो रही है.

खजराना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले वार्ड 41 एवं 39 के बीच एक मार्ग ऐसा भी है, जिस पर कई वर्षों से पक् की सडक् नहीं बन पाई है. यह सडक् है वार्ड 39 की हिना कॉलोनी और वार्ड 41 के सम्राट नगर की. मात्र कुछ ही मीटर की यह सडक् जर्जर हालातों में पहुंच गई है. इसे कौन बनाएगा, कैसे होगा और तो और यह मार्ग किस वार्ड में आता है, इसी असमंजस में 25 वर्ष से ज़्यादा बीत गए, लेकिन इस सडक् का उद्धार नहीं हो पाया है. इस मार्ग से जुड़े क्षेत्रवासी इस समस्या का सामना करते आ रहे हैं. लाख कोशिशों के बाद कुछ माह पूर्व इस सडक् के दिन फिरने ही वाले थे, बताया जाता है कि सडक् निर्माण के लिए वार्ड 41 के पार्षद द्वारा नगर निगम में फाईल लगाई गई, लेकिन अधिकारियों ने ही अपरिहार्य कारणों के चलते फाईल अटका दी. इसके बाद एक बार फिर लोगों को उम्मीद टूट गई. अब नगर निगम अधिकारियों का कब मूड होता है, यह तो समय बताएगा. फिलहाल तो लोगों की परेशानियां खत्म होने का नाम नहीं ले रही है.

यह बोले रहवासी...

इस मार्ग पर यातायात का दबाव अधिक होने से हर कभी जाम लगता रहता है. बरसात में तो सडक् पर बने बड़े-बड़े गड्ढों में पानी भरा रहता है. पैदल भी चलना मुश्किल होता है. बरसात में तो पानी घरों में तक घुस जाता है.

- अब्दुल सत्तार खान

मुझे यहां रहते 30 वर्ष हो चुके हैं, तभी से सडक् ऐसी ही है. इतने गड्ढे हैं कि आए दिन वाहन चालक गिरते रहते हैं, कई को तो गंभीर चोटें भी आई हैं.

- रियाजउद्दीन

दिन भर धूल उड़ती है, कई समस्याएं होती हैं. दमा की शिकायत वाले मरीजों को भारी परेशानी होती है. जर्जर सडक् से गंदगी भी बनी रहती है. सडक् बन जाए तो सभी चीजें व्यवस्थित हो जाएं. क्षेत्र में सफाई भी होने लगे.

- सिराज मंसूरी

सड़क का यह हिस्सा मेरे वार्ड में नहीं आता

टेक्निकली तो नहीं पता, लेकिन सडक् का यह हिस्सा मेरे वार्ड में नहीं आता, पार्षद प्रणव भैया से इस विषय में बात हुई थी, उन्होंने कहा भी है कि वे इस सडक् का निर्माण करवाने वाले हैं.

- रूबिना खान, पार्षद, वार्ड 39

जल्द ही दोबारा फाइल लगाऊंगा

प्रयास पूरे हैं कि कार्य हो जाए, जब फाईल लगाई थी तो सिंगल टेंडर आया था, जो निगम कमिश्नर द्वारा उसे केंसल कर दिया गया है, जल्द ही दोबारा फाईल लगाऊंगा.

- प्रणव मण्डल, पार्षद, वार्ड 41

उपभोक्ताओं को बताएंगे खाद्य सामग्री में मिलावट पता करने के तरीके

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जन जागरूकता अभियान प्रारंभ

इंदौर. जिले में कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा मिलावटखोरों के विरूद्ध सतत् रूप से की जा रही है। साथ ही जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है. इसी क्रम में गुरूवार को 56 दुकान चाट चौपाटी पर मोबाईल फूड टेस्टिंग लेब की सहायता से जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में उपभोक्ताओं एवं खाद्य प्रतिष्ठान के संचालकों को खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच के आसान घरेलू तरीकों से अवगत कराकर उन्हें जागरूक कर प्रशिक्षित किया गया. साथ ही मौके से कुल 30 खाद्य पदार्थों की त्वरित जांच मोबाईल फूड लेब की सहायता से की गई। 56 दुकान पर उपस्थित जन समूह द्वारा जिला प्रशासन के इस नवाचार की सराहना की गई.

मोबाईल फूड टेस्टिंग लेब भ्रमण के दौरान खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत आम उपभोक्ताओं को खाद्य पदार्थों में की जाने वाली

मिलावट के प्रति जागरूक किया जायेगा. इसके अतिरिक्त विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों से नमूने लिये जाकर मोबाईल फूड टेस्टिंग लेब की सहायता से मौके पर ही खाद्य पदार्थों की जांच की जायेगी. साथ ही खाद्य कारोबारियों को भी मिलावट की जांच हेतु प्रशिक्षित एवं जागरूक किया जायेगा. उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि वे अपने क्षेत्र में मोबाईल फूड टेस्टिंग लेब के भ्रमण के दौरान अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच के संबंध में प्रशिक्षण प्राप्त करें.

यहां पर आयोजित होंगे कार्यक्रम

प्रशिक्षण नजागरूकता कार्यक्रम इंदौर जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे. आयोजन के तहत 2 जनवरी को विजय नगर स्थित द हब चौपाटी पर, 4 जनवरी को बंगाली चौराहे के पास, 6 जनवरी को बिचौली हप्सी स्थित जोडियेक मॉल के पास, 7 जनवरी को हातोद क्षेत्र के मुख्य बाजार में, 8 जनवरी को खुड़ैल के मुख्य बाजार क्षेत्र में एवं 9 जनवरी को बेटमा बस स्टैण्ड के आसपास के क्षेत्र में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.